मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 239, मुंबई, बुधवार, 2 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
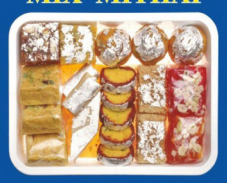
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

उर्मिला मातोंडकर की शिवसेना में एंट्री

रश्मि ठाकरे ने एक्ट्रेस की कलाई पर शिवबंधन बांध पार्टी की सदस्यता दिलाई

मुंबई। एक्ट्रेस से पॉलिटिशियन बनी उर्मिला मातोंडकर ने मंगलवार को मातोश्री में शिवसेना की औपचारिक सदस्यता ग्रहण की। सीएम उद्धव ठाकरे की उपस्थिति में उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे ने उर्मिला की कलाई पर शिवबंधन बांध उन्हें पार्टी में शामिल करवाया। सिर्फ 20 महीने पहले कांग्रेस के साथ जुड़ी उर्मिला ने अक्टूबर 2019 में कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था। शिवसेना में शामिल होने के बाद एक्ट्रेस ने बाला साहब की तस्वीर के आगे झुक उन्हें प्रणाम किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गोली या शांतिपूर्ण हल...

सरकार संग बैठक कर बोले किसान नेता...

आंदोलन चलता रहेगा

3 दिसंबर को अब फिर होगी बातचीत

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों के 35 प्रतिनिधियों से केंद्रीय मंत्रियों की ताजा बातचीत बेनतीजा रही है। दिल्ली में विज्ञान भवन में 3 घंटे से ज्यादा वक्त तक चली बैठक में बात नहीं बनी। हालांकि, सरकार और किसान दोनों ने ही बातचीत को अच्छी बताया है। अब 3 दिसंबर को अगले चरण की बातचीत होगी। केंद्र ने नए कृषि कानूनों पर विचार के लिए किसान संगठनों, कृषि विशेषज्ञों और सरकार के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने का प्रस्ताव दिया है। सरकार ने किसानों से आंदोलन वापस लेने की अपील की है। लेकिन किसानों ने स्पष्ट किया है कि आंदोलन जारी रहेगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'सरकार से कुछ तो लेकर रहेंगे- गोली या फिर शांतिपूर्ण हल'

मीटिंग के बाद किसानों के डेलिगेशन में शामिल रहे चंदा सिंह ने दो टूक कहा कि आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा, 'कृषि कानूनों के खिलाफ हमारा आंदोलन जारी रहेगा और हम निश्चित तौर पर सरकार से कुछ हासिल करके रहेंगे, वह चाहे बंदूक की गोलियां हों या शांतिपूर्ण समाधान। हम आगे की बातचीत के लिए वापस आएंगे।'

महाराष्ट्र के किसान समूहों की

चेतावनी

सरकार ने प्रदर्शनकारियों की मांगें नहीं मानीं तो दिल्ली तक मार्च

मुंबई। मोदी सरकार के कृषि बिलों के खिलाफ पंजाब और हरियाणा में किसान व्यापक स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों को हर राज्य के लोगों से समर्थन मिल रहा है। मंगलवार को महाराष्ट्र के कुछ किसान समूहों ने भी सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई तो वे भी दिल्ली की ओर मार्च करेंगे। ऐसे में अगर महाराष्ट्र से भी किसानों का समूह दिल्ली की ओर कूच कर देता है तो इससे केंद्र सरकार की मुश्किल और बढ़ जाएगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

साथ बैठने का महत्व

कोविड-19 से लड़ाई अब जिस मोड़ पर आ गई है, उसमें किसी प्रकार की कोताही के लिए कोई गुंजाइश नहीं है, यही वजह है कि केंद्र सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का फैसला किया है, ताकि हालात की संजीदगी से मुतल्लिक सभी पक्षों की राय सुनी जाए और उसके मुफीद कदम उठाए जा सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले आठ महीनों में विपक्षी नेताओं और तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई डिजिटल बैठकें कीं और प्रदेशों के हालात का जायजा लिया। केंद्र ने जरूरतमंद राज्यों में विशेषज्ञों की विशेष केंद्रीय टीमें, सुरक्षा किट व दवाएं भेजीं, तो उन्हें अन्य दूसरी सहूलियतें भी मुहैया कराईं। राज्य सरकारों ने भी अपने तईं भरपूर प्रयास किया है और इसी का नतीजा है कि वायरस संक्रमण के मामले में भले ही भारत दुनिया के शीर्ष देशों में पहुंचा हो, मगर संक्रमित लोगों की जान बचाने का हमारा रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। लेकिन महामारी से निपटने में जुटे फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स में एक स्वाभाविक थकन की स्थिति आ सकती है। ऐसे में, कोई भी चूक कितनी घातक होगी, राजकोट की घटना इसकी एक ताजा नजीर है। बीते शुक्रवार को गुजरात के राजकोट में एक अस्पताल की आईसीयू में लगी आग के कारण छह कोरोना मरीजों की जान चली गई, जबकि कई अन्य बुरी तरह जख्मी हो गए। केंद्रीय गृह सचिव को सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर आगाह करना पड़ा है कि कोविड-19 मरीजों के इलाज में पर्याप्त संवेदनशीलता बरतने की जरूरत है। तब तो और, जब सर्दियों के बढ़ने के साथ संक्रमण के प्रसार को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इस लिहाज से गुजरात सरकार समेत उन सभी राज्य सरकारों को विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है, जहां कोरोना की नई लहर का अंदेशा जताया जा चुका है। इस पृष्ठभूमि में सर्वदलीय बैठक की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है, क्योंकि विपक्ष शासित कई राज्यों की शिकायत है कि एक तरफ तो केंद्र टीकाकरण के लिए राज्यों से जरूरी इंतजाम करने की बात कह रहा है, दूसरी तरफ, उनके जीएसटी बकाए का भुगतान नहीं कर रहा। केंद्र ने राज्यों को दूसरे रास्तों से कुछ आर्थिक सहूलियतें मुहैया तो कराई हैं, लेकिन इतने बड़े पैमाने पर टीकाकरण की तैयारियों के लिए उन्हें अतिरिक्त धन की जरूरत पडेगी, जबकि लॉकडाउन के कारण उनकी हालत पहले से पतली है। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने संकेत दिया है कि आगामी जुलाई-अगस्त तक देश के करीब 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने की रणनीति पर काम हो रहा है। ऐसे में, सभी राजनीतिक दलों को भरोसे में लेकर केंद्र सरकार को एक सवार्नुमति बनानी होगी, ताकि टीकाकरण का काम अबाध रूप से संचालित हो सके। हाल के वर्षों में राजनीतिक संवादहीनता की स्थिति ने नीतिगत मोर्चों पर कई चुनौतियां खड़ी की हैं, और इससे कई नीतियों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए हैं। टीके के वितरण को लेकर किसी राज्य को कोई शिकायत न हो, इसकी ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। पिछले आठ महीनों में इस महामारी से लोहा प्रशासनिक तंत्र ने ही लिया है, हमारे राजनीतिक दलों ने तो इसके प्रति लापरवाही ही दिखाई है। यदि उन्होंने आपस में अपेक्षित संवाद रखा होता, और संवेदनशीलता का परिचय दिया होता, तो यकीनन नतीजे कहीं बेहतर होते।

किसान की आय कितनी है?

देश के एक औसत किसान की कितनी आय होती है? यह यक्ष प्रश्न है, जिसका जवाब हर उस व्यक्ति से पूछा जाना चाहिए, जो यह कहता है कि 2022 तक किसान की आय दोगुनी कर दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह बात कही है और केंद्रीय कृषि मंत्री ने भी कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह बात पिछले छह साल से कह रहे हैं। लेकिन क्या किसी मंत्री ने यह बताया है कि जब प्रधानमंत्री ने किसान की आय दोगुनी करने का ऐलान किया तो उनकी आय कितनी थी और 2022 में कितनी हो जाएगी? कम से कम यह बता देते कि पिछले छह साल के अथक प्रयास से, जिसमें कृषि मंत्रालय का नाम बदल कर कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय करना भी शामिल है, किसानों की आय कितनी बढ़ गई है? जब अगले एक-डेढ़ साल में आय दोगुनी होने वाली है तो साढ़े छह साल में पौने दोगुनी तो हो गई होगी? या अचानक ही दोगुनी हो जाएगी, अभी जहां के तहां अटकी है?

क्या सरकार के पास किसान की आय की गणना करने का कोई फॉर्मूला है? जैसे नौकरी करने वालों को वेतन मिलता है, महंगाई भत्ता और दूसरे भत्ते मिलते हैं, जिनके आधार पर आकलन होता है कि उनको पूरे साल में कितनी आय हुई! कारोबारी अपना आय कर रिटर्न या जीएसटी रिटर्न दाखिल करता है, जिसमें वह आमदमी और खर्च का हिसाब बताता है तो उससे पता चलता है कि उसे कितनी आय हुई। उसी तरह क्या कोई तरीका है, जिससे पता चले कि किसान की आय कितनी हुई? उसकी आमदमी और खर्च का क्या हिसाब होता है? सरकार हो या निजी कंपनियां हों हर साल अपने कर्मचारियों के वेतन, भत्ते का ख्याल रखती हैं तो उससे पता चलता है कि कितनी वेतन बढ़ोतरी या कमी हुई। क्या ऐसा कोई हिसाब किसानों का रखा जाता है?

हकीकत यह है कि सरकार के पास कोई फॉर्मूला नहीं है। भारत जैसे देश में कोई फॉर्मूला हो भी नहीं सकता है क्योंकि भारत में खेती-किसानी का दायरा इतना बड़ा है। इतने लोग इस पर आश्रित हैं और इतने तरह से लोग खेती के काम में शामिल हैं कि उनकी आमदनी और खर्च का हिसाब लगाना ही मुश्किल है। देश के अलग अलग राज्यों में किसानों की स्थितियां अलग अलग होती हैं। पंजाब और हरियाणा में अनाज मंडियां हैं और मंडियां बहुत सुनियोजित तरीके से काम करती हैं। वहां किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की दर पर अपना अनाज बेचता है तो उसका हिसाब लगाना अपेक्षाकृत आसान है। पर बाकी राज्यों में जहां मंडियों की व्यवस्था नहीं है वहां किसान का अनाज औने-पौने दाम में बिकता है। उनके पास न तो भंडारण की व्यवस्था है और न उनकी हैसियत इतनी है कि वह अनाज को भंडार करके रखे। सो, खेत से फसल आते ही जो दाम मिलता है वह उस पर अपनी फसल बेच देता है। सो, व्यवस्थित तरीके से किसान की आय का हिसाब करना संभव नहीं है।

भारत में सरकार को किसान की आय की कितनी चिंता है, इस बात को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि भारत सरकार के नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस यानी एनएसएसओ के पास 2012-13 के बाद के किसान की सालाना आय का आंकड़ा नहीं है या कम से कम उसे जारी नहीं किया गया है। 2012-13 के एनएसएसओ के आंकड़े 2016 में प्रकाशित हुए थे। इनके मुताबिक भारत में एक किसान परिवार की औसत आय 6,426 रुपए महीना यानी 77,112 रुपए सालाना थी। सोचें, पांच लोगों के एक औसत परिवार की आय 6,426 रुपए थी यानी प्रति व्यक्ति डेढ़ हजार रुपए से भी कम! जैसे ही इस आंकड़े को किसान की औसत जोत के आधार पर देखते हैं वैसे ही और हैरान करने वाली बात सामने आती है। एनएसएसओ के आंकड़ों के मुताबिक ही आधा हेक्टेयर से कम जोत वाले किसान परिवार की मासिक औसत आय 4,152 रुपए है और जिस किसान की जोत 10 हेक्टेयर या उससे ज्यादा की है उसकी मासिक आमदनी 41,388 रुपए है। जिस हिसाब से कृषि से जुड़े उत्पादों की कीमत बढ़ी है, उस आधार पर अगर सालाना बढ़ोतरी का हिसाब लगाएं तो 2019 तक एक किसान परिवार की औसत आमदनी 10,329 रुपए बनती है।

लेकिन यह आंकड़ा भी एक किस्म का भ्रम है क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था में कृषि से जुड़े कंपोनेंट्स की कीमत बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि उसका फायदा किसान को हो रहा है। उसका फायदा शायद ही कभी किसान को मिलता है। किसान के ऊपर कृषि की लागत बढ़ते जाने का बोझ तो पड़ता है लेकिन उसकी आमदनी नहीं बढ़ती है। तभी सबसे पहली जरूरत यह होनी चाहिए कि सरकार किसान की निश्चित आय तय करे। जैसे दुनिया के तमाम विकसित देशों ने सब्सिडी देकर अपने किसानों की आय तय की है, उस तरह से। इसके लिए कृषि लागत के अनुपात में आमदनी सुनिश्चित करने का फॉर्मूला बने और उसे लागू किया जाए।

सारी सरकारें एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों की चर्चा करती हैं पर उसे लागू कोई नहीं करता। इस फॉर्मूले के मुताबिक कृषि लागत को तीन हिस्सों में बांटा गया है। एक, जो किसान खेती के लिए नकद खर्च करता है, जैसे बीज, खाद, सिंचाई, केमिकल, मजदूरी आदि। दूसरा, जो फैमिली लेबर है यानी किसान का परिवार, जो मेहनत करता है और तीसरा हिस्सा होता है जमीन का किराया और खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी का खर्च। इन तीनों को मिला कर स्वामीनाथन आयोग ने लागत निकाली थी, जिसके ऊपर 50 फीसदी मुनाफा किसानों को देने की बात थी। इसे ए2, एफएल प्लस सी2 फॉर्मूले का नाम दिया गया था।

इस तरह से लागत निकाल कर उसके ऊपर किसान को 50 फीसदी आमदनी देने का फॉर्मूला तो तभी बन या सफल हो सकता है, जब सरकार पूरे देश में इस फॉर्मूले के आधार पर हर फसल की लागत तय करे और उसके ऊपर 50 फीसदी मुनाफे के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करे और साथ ही यह सुनिश्चित करे कि न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर देश में कहीं भी किसानों के उत्पाद की खरीद-बिक्री नहीं होगी। लेकिन अफसोस की बात है कि सरकार ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बना रही है, जिससे किसान की न्यूनतम आय सुनिश्चित हो। उलटे वह पूरे देश में ऐसी व्यवस्था बना रही है, जिसमें किसान कारपोरेट और उद्यमियों के हाथ में खिलौना बन जाए। सरकार ने नए कृषि कानूनों से ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिसमें कोई भी व्यक्ति कहीं भी किसान की फसल खरीद सकता है और न्यूनतम समर्थन मूल्य चुकाने की कोई बाध्यता नहीं होगी। ऊपर से ऊपर फसल की कीमत या भुगतान को लेकर विवाद होता है तो एसडीएम की अदालत में भागदौड़ करनी पड़ेगी।

इसका सीधा मतलब यह निकलता है कि किसान को अंततः बाजार द्वारा तय की गई दर पर अपनी फसल बेचनी होगी और जब ऐसा होगा तो किसान की आय कैसे बढ़ेगी? खेती वैसे भी किसान के लिए लगातार घाटे का सौदा बनती जा रही है। सरकार समझ रही है कि साल में किसानों को छह हजार रुपए यानी 17 रुपए रोज की 'सम्मान निधि' देकर वह उनका भला कर रही है। पर असल में वह छह हजार रुपए की राशि सिर्फ इसलिए शुरू की गई थी ताकि जब खेती-किसानी को कारपोरेट के हाथों सौंपने का कानून बने तो सरकार के पास कहने को रहे कि वह किसानों को 'सम्मान निधि' दे रही है। वह असल में किसानों को एक बड़े दुष्चक्र में फंसाने की योजना का हिस्सा है।

पर्यावरण सुधरने का भ्रम

पिछले हफ्ते आई इस खबर ने कई भ्रम तोड़ दिए। इसका मतलब यह है कि प्राकृतिक मामलों में बहुत कुछ हमें जो दिखता या जिसका प्रत्यक्ष अनुभव होता है, वैसा वास्तव में नहीं होता। उस खबर के मुताबिक विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएमओ) ने कहा कि 2019 में हवा में कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर ने एक नया रिकॉर्ड बनाया, जो कि इस साल भी जारी है। डब्लूएमओ के अनुसार 2019 में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर दस लाख हिस्सों में 410.5 था। यह 2018 की तुलना में भी ज्यादा है और पिछले दशक के औसत से भी अधिक है। डब्लूएमओ इस बारे में कहा- 'हमारे रिकॉर्ड के इतिहास में इस तरह की वृद्धि दर कभी नहीं देखी गई है।' इस संस्था के मुताबिक 2015 से यह स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसलिए इसे रोकने के लिए जल्द ही कुछ पक्के समाधान सोचने होंगे। डब्लूएमओ संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी है, जिसका मुख्यालय जिनेवा में है। संस्था का कहना है कि लॉकडाउन करने, बॉर्डर सील करने और उड़ानों को रद्द करने से कार्बन डाइऑक्साइड जैसी कई ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती जरूर हुई है, लेकिन इतनी नहीं कि इससे बहुत बड़ा फर्क पड़ सके। यानी जो यह अनुमान लगाया गया था कि इस साल कुल मिलाकर पर्यावरण की स्थिति में जबरदस्त सुधार होगा, वैसा नहीं हो जाने जा रहा है।

शिरडी के मंदिर में भारतीय परिधान पहन कर आने को कहा गया...

तृप्ति देसाई ने जल्द इस नियम को बदलने की दी चेतावनी

शिरडी। शिरडी के साईं मंदिर ने भक्तों के दर्शन को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब मंदिर में सिर्फ भारतीय परिधान पहन कर आने वालों को ही मंजूरी मिलेगी। संस्थान का कहना है कि कुछ दिनों से यह शिकायत आ रही थी कि कुछ श्रद्धालु छोटे कपड़े पहनकर दर्शन के लिए आ रही हैं। इस बीच भूमाता ब्रिगेड की प्रमुख तृप्ति देसाई ने चेतावनी देते हुए कहा है कि मंदिर ट्रस्ट को ऐसे बोर्ड हटाना चाहिए, नहीं तो हम इसे अपने तरीके से हटायेंगे। मंदिर प्रशासन ने कोरोना का हवाला देते हुए सभी लोगों से इन नियमों का पालन करने की गुजारिश की है। मंदिर ट्रस्ट ने परिसर में इस बाबत नोटिस भी लगाया है। उस बोर्ड पर लिखा गया है, श्री साईं भक्तों से अनुरोध है कि आप पवित्र

जगह में पधार रहे हैं। अतः आपको भारतीय संस्कृति के अनुरूप वेशभूषा परिधान करने की विनती है। ट्रस्ट के मुताबिक, कई लोगों की शिकायत आने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। शिकायत करने वालों में कई महिलाएं भी शामिल थीं। मंदिर के नए नियम का असर अब दिखने भी लगा है। वेस्टर्न ड्रेस में मंगलवार को दर्शन के लिए पहुंचे कई भक्तों को सुरक्षा गार्ड ने वापस लौटा दिया गया। हालांकि, साईं संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कान्हुराज बागटे ने बताया, हम केवल सुझाव, अनुरोध और अपील कर रहे हैं। हमने भक्तों से दर्शन के लिए आते वक्त भारतीय परिधान पहनने की अपील की है, कोई सख्ती नहीं की और ना ही कोई ड्रेस कोड लागू किया है।

मंदिर का यह फैसला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हननः साईं बाबा मंदिर में प्रवेश को लेकर जारी ड्रेस कोड पर भूमाता ब्रिगेड की प्रमुख तृप्ति देसाई ने कहा है, भारत में संविधान है और संविधान ने सभी को अपनी मर्जी से बोलने और कपड़े पहनने की स्वतंत्रता दी है। मंदिर में किस तरह के कपड़े पहने चाहिए इसका ध्यान सभी भक्तों को होता है। ऐसे में इस तरह का फरमान जारी करना और बोर्ड लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। हमने देखा है कि शिरडी समेत कई मंदिरों में पुजारी अर्धनग्न होते हैं, वे सिर्फ धोती पहनते हैं लेकिन उनपर कोई रोक नहीं लगाता। इसीलिए शिरडी संस्थान को ऐसे बोर्ड तुरंत निकालने चाहिए, नहीं तो हम खुद इसे निकालेंगे।

यशस्विनी महिला ब्रिगेड की अध्यक्ष रेखा जरे की बीच सड़क गला काट कर हत्या, वारदात के बाद आराम से भागे हत्यारे

संवाददाता

पुणे। यशस्विनी महिला ब्रिगेड की अध्यक्ष रेखा भाऊसाहेब जरे पाटिल की धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी गई है। अहमदनगर पुलिस के मुताबिक, सोमवार देर शाम अहमदनगर-पुणे हाइवे पर किसी अज्ञात शख्स ने हमला किया है। रेखा अहमदनगर की प्रभावशाली महिला नेता मानी जाती थीं। उन्होंने कई सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए आंदोलन किए थे। रेखा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में भी सक्रिय थीं। उनकी हत्या के बाद अहमदनगर में तनाव की स्थिति है। पुलिस फिलहाल इसे रोड-रेज का मामला मान जांच को आगे बढ़ा रही है। रेखा जरे अपनी कार से अहमदनगर आ रही थीं। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी विशाल धूम ने बताया कि कार में डॉक्टर रेखा के साथ उनकी मां और बेटा भी था। हाइवे पर

शिरूर गांव के पास बाइक सवार ने उनकी कार में टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई, इतने में बाइक सवार एक युवक ने धारदार हथियार से रेखा जरे के गले पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, हमले के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया था, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उधर, वारदात के बाद बाइक सवार दोनों हत्यारे आराम से वहां से निकल गए और भीड़ होने के बावजूद किसी ने उन्हें रोकने का प्रयास नहीं किया। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया गया है। दोनों टीमें बाइक सवार की तलाश में जुट गई है। हाइवे पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। अभी पुलिस को कोई बड़ा सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हमला पहले से प्रायोजित था या आवेश में किया गया मामला है।

महिलाओं के मुद्दों को लेकर किए कई आंदोलनः रेखा जरे की हत्या की जानकारी मिलते ही एनसीपी के स्थानीय विधायक संग्राम जगताप जिला अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए यशस्विनी महिला ब्रिगेड कई साल से काम कर रहा था। समय-समय पर संगठन ने महिलाओं के विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए पुणे और अहमदनगर में प्रदर्शन भी किए थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

उर्मिला की शिवसेना में एंट्री

कुछ देर में एक्ट्रेस मीडिया के सामने अपनी बातें रखने वाली हैं। उर्मिला को शिवसेना विधान परिषद का उम्मीदवार बना सकती है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले यानी 27 मार्च 2019 को कांग्रेस में शामिल हुई उर्मिला ने मुंबई नार्थ सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि, कड़ी मेहनत के बावजूद एक्ट्रेस यह चुनाव हार गईं। जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाते हुए 10 सितंबर 2019 को पार्टी छोड़ दी थी। इसके एक साल दो महीने बाद अब एक्ट्रेस फिर से अपनी राजनीतिक पारी शिवसेना के साथ शुरू कर रही हैं।

गोली या शांतिपूर्ण हल...

बैठक में किसानों की तरफ से कृषि संगठनों के 35 प्रतिनिधि शामिल हुए। सरकार की तरफ से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य राज्य मंत्री सोम प्रकाश शामिल हुए। बैठक के दौरान सरकार की तरफ से किसान नेताओं को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और एग्रीकल्चरल प्रड्यूस मार्केट कमिटी (एपीएमसी) ऐक्ट पर डीटेल प्रेजेंटेशन दिखाया। प्रेजेंटेशन के जरिए सरकार ने किसानों को आश्वस्त करने की कोशिश की कि नए कानूनों से उनको ही फायदा मिलेगा और एमएसपी की व्यवस्था जारी रहेगी। मीटिंग खत्म होने के बाद भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्रहण) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उग्रहण ने बताया कि बातचीत बेनतीजा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 3 दिसंबर को एक और बैठक बुलाई है। मीटिंग में शामिल रहे ऑल इंडिया किसान फेडरेशन के प्रमुख प्रेम सिंह भंगु ने कहा कि बातचीत अच्छी रही और कुछ प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, 'मंगलवार की बैठक अच्छी रही और कुछ प्रगति हुई है। सरकार के साथ 3 दिसंबर को अगले दौर की बातचीत के दौरान हम उन्हें भरोसा दिलाएंगे कि कृषि कानून का कोई भी प्रावधान किसानों के हित में नहीं है। हमारा आंदोलन जारी रहेगा।' किसान नेताओं के साथ बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि बातचीत अच्छी रही। उन्होंने कहा कि हमने 3 दिसंबर को फिर बातचीत का फैसला किया। तोमर ने कहा, 'हम चाहते थे कि एक छोटा समूह गठित हो लेकिन किसान नेता चाहते थे कि सभी से बातचीत होनी चाहिए। हमें इससे कोई समस्या नहीं है।' बातचीत के दौरान सरकार ने फिर किसान नेताओं से आंदोलन वापस लेने की अपील की। नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया, 'हम किसानों से आंदोलन सस्पेंड कर बातचीत के लिए आने की अपील करते हैं। हालांकि, यह फैसला किसान संघों और किसानों पर निर्भर करेगा।' बैठक के दौरान सरकार ने कृषि कानूनों पर चर्चा के लिए एक समिति बनाने का प्रस्ताव दिया। सरकार ने समिति के लिए किसान नेताओं से अपने में से 4-5 लोगों का नाम देने को कहा। उसमें कृषि विशेषज्ञों के साथ-साथ सरकार के भी प्रतिनिधि शामिल होंगे। हालांकि, इस पर सहमति नहीं बन पाई। मीटिंग के दौरान जब टी ब्रेक हुआ तब मंत्रियों की तरफ से किसान नेताओं से भी साथ में चाय पीने का आग्रह किया गया। किसान नेताओं ने इसे ठुकरा दिया। एक किसान नेता ने तो मंत्रियों से ही पेशकश कर दी कि आप लोग सिंघु बॉर्डर पर हमारे बीच आइए, चाय क्या लंगर भी छका जाएगा।

महाराष्ट्र के किसान समूहों की चेतावनी

जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के किसान समूहों ने कहा है कि अगर सरकार विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगों पर सहमत नहीं होती है तो वे लोग भी दिल्ली तक मार्च शुरू करेंगे। किसानों के अलावा कई मशहूर हस्तियां भी किसानों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए आगे आ रही हैं। बताया गया कि शाहीन बाग की ऐक्टिविस्ट बिलकिस दादी ने भी किसानों को समर्थन देने का ऐलान किया है। बिलकिस दादी ने कहा कि हम किसानों की बेटियां हैं। हम किसानों के प्रोटेस्ट का समर्थन करने जाएंगे। हम अपनी आवाज उठाएंगे, सरकार को हमारी बात सुननी चाहिए। इसके बाद उन्होंने सिंघु बॉर्डर पर प्रोटेस्ट में हिस्सा लेने का ऐलान कर दिया। हालांकि, वहां पहुंचने से पहले ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

लद्दाख में कांपा चीन

भीषण ठंड से तंग आए जवानों को रोज बदल रहा, भारत के जांबाज वहीं डटे

नई दिल्ली। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चीनी सैनिक पूर्वी लद्दाख सेक्टर की भीषण ठंड को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें फॉरवर्ड पोजिशनों (अग्रिम चौकियों) पर दैनिक आधार पर रोटेट किया जा रहा है, जबकि भारतीय सैनिक उन्हीं स्थानों पर लंबे समय से डटे हुए हैं। अभी तक आक्रामक रुख दिखा रहा चीन मौसम के आगे हार मान रहा है। खबर के अनुसार एक सरकारी सूत्र ने बताया, 'वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अग्रिम चौकियों पर तैनात हमारे सैनिक अपने स्थानों पर चीनी सैनिकों की तुलना में ज्यादा लंबे समय कर रह रहे हैं। भयंकर ठंड और कई डिग्री माइनस तापमान के चलते चीनी सेना को दैनिक आधार पर अपने सैनिक बदलने पड़ रहे हैं।' सूत्रों ने बताया कि इस मौसम में अपने कार्य को अंजाम देने के मामले में भारतीय सेना, चीनी सेना के मुकाबले कहीं आगे और बेहतर है। इसके पीछे का कारण यह है कि बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों को पहले ही लद्दाख सेक्टर में काम करने का अनुभव है। इसमें सियाचिन ग्लेशियर और अन्य अधिक ऊंचाई वाले स्थान शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इस भीषण ठंड का प्रभाव अधिकतर उन सामरिक चोटियों पर देखा जा सकता है जहां, चीनी सेना ने भारतीय सेना के स्थितियों के पास अपने सैनिकों को तैनात किया है। सूत्रों ने बताया कि एक ओर जहां भारतीय सैनिक वहीं रह रहे हैं, चीनियों को रोजाना सैनिकों को बदलते हुए देखा जा सकता है। बता दें कि इस साल अप्रैल-मई में चीन ने आक्रामक रुख दिखाते हुए पूर्वी लद्दाख सेक्टर में भारतीय सीमा की ओर करीब 60 हजार सैनिकों की तैनाती की थी।

सलमान को फिर राहत

काला हिरण शिकार केस में आठ महीने में छठवीं बार पेशी से छूट मिली

अब अगले साल पेश होंगे

जोधपुर। काला हिरण शिकार केस में सलमान खान मंगलवार को फिर एक बार कोर्ट में पेश नहीं हुए। उन्होंने महामारी का हवाला देकर पेशी से छूट देने के लिए जिला अदालत में अर्जी लगाई थी। अब अगली सुनवाई 16 जनवरी को होगी। कोरोना के दौर में उन्हें आठ महीने में यह छठवीं बार रियायत दी गई है। उन्होंने इस मामले में अब तक 15वीं बार हाजरी माफी ली है। सलमान को मंगलवार को हिरण शिकार से जुड़े दो और आर्म्स एक्ट से जुड़े एक मामले में कोर्ट में पेश होना था। काला हिरण शिकार केस में 5 अप्रैल 2018 में ट्रायल कोर्ट ने सलमान को दोषी करार देते हुए पांच साल कैद की सजा सुनाई थी। उन्होंने इसे जिला अदालत में चुनौती दी है।

सैफ, नीलम, तब्बू और सोनाली बरी हो गए थे

अन्य आरोपी एक्टर सैफ अली खान, नीलम, तब्बू और सोनाली बेन्द्रे को बरी कर दिया था। सलमान को जोधपुर जेल भेजा गया था। वहीं, आर्म्स एक्ट के मामले में कोर्ट ने सलमान को बरी कर दिया था। तीन दिन बाद वे कोर्ट से मिली जमानत पर रिहा हुए थे।

यह है मामला: जोधपुर पुलिस ने सलमान खान और अन्य के खिलाफ 2 अक्टूबर 1998 को काला हिरण शिकार का मामला दर्ज किया। सलमान के खिलाफ हिरण शिकार का मामला विश्नोई समुदाय की तरफ से दर्ज कराया गया था। इसके बाद सलमान खान को हिरण शिकार और आर्म्स एक्ट में 12 अक्टूबर 1998 में गिरफ्तार किया गया था। इसके पांच दिन बाद वे जमानत पर रिहा हुए। भवाद में हिरण शिकार के एक मामले में 17 फरवरी 2006 को सलमान दोषी करार दिए गए थे। घोड़ा फार्म हाउस क्षेत्र में शिकार मामले में 10 अप्रैल 2006 को कोर्ट ने सलमान को दोषी मानते हुए पांच साल की सजा और 25 हजार का जुमार्ना लगाया। इन दोनों मामलों में सलमान को हाईकोर्ट से राहत मिल गई। राज्य सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ये दोनों मामले हाईकोर्ट में है।

कोरोना वैक्सीनः किम जोंग उन ने सपरिवार गुपचुप लगवाया चीनी टीका!

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने गुपचुप तरीके से कोविड-19 वैक्सीन लगवा ली है। 19fortyfive.com ने जापान के दो खुफिया सूत्रों के हवाले से इसका दावा किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, किम जोंग उन के साथ-साथ उत्तर कोरिया के कई उच्चाधिकारियों और खुद किम के परिवार के लोगों ने भी कोरोना की वैक्सीन लगवा ली है। इस रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया है कि चीन सरकार ने सीक्रेट तरीके से उत्तर कोरिया को कोरोना वैक्सीन सप्लाई की है। बीते दो से तीन हफ्ते के भीतर ही किम जोंग और दूसरे लोगों को वैक्सीन लगाई है। इससे पहले एक रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन का डाटा हैक करने के पीछे उत्तर कोरिया को शक की नजरों से देखा जा रहा है।

हमारा सपना हुआ पूरा : राहुल सिंह, शिवानी सिंह

शिवानी सिंह ने कहा जब मैं छोटी थी तब मैं स्कूल में जाती थी, तब से ही मुझे डांस करने का शोक था। तब मेरे स्कूल में २६ जनवरी का उत्सव मनाया जाता था, तब से मैने उत्सव देखकर मन में सोचा की मैं उन उत्सव में भाग लूं और तबसे ही मैने स्कूल के प्रोग्रेम में भाग लेना शुरू किया। फिर मुझे स्कूल में पुरस्कार एवंम मेंडल सन्मापत्र देकर सन्मानित किया गया। तब से ही मैने सोचा मुझे डान्स में अपना करियर बनाना है यहि मेरा ड्रिम एवंम करियर है। उसके बाद मैंने सन २०११ से एक अच्छी डान्स क्लास में जाना शुरू किया। उस डान्स क्लास में अनेक लड़के ही लड़के थे और मै अकेली लडकी थी, उस डान्स क्लास के लड़के बहुत चिड़ाते थे और बहुत कुछ बोलते कि तुम एक लड़की हो लड़की सिर्फ घर के काम करती है। यह छोड़कर डान्स सिखती हो, डान्स तो लड़के सिखते है मैंने उन की बातों के और ध्यान नही दिया, उसी डान्स क्लास में सिखकर बड़े बड़े स्पर्धा मे सहभाग लेकर बहुत स्पर्धा में जीते यु.पी स्टेट तक के, इसके बाद भी उस क्लास के लड़के और सर मुझे रिस्पेक्ट नही देते थे। सन २०१४ मे मेरी डान्स क्लास में एक लड़का आया उसका नाम राहुल सिंह था। वह मेरा अच्छे दोस्त बना, घर वाले मना करते थे वह कहते डान्स में कुछ नही रखा पढाई पर ध्यान दो और सरकारी जॉब कि तैयारी करो। यह सुनने के बाद मैंने अपना डान्स जारी रखा। फिर कुछ प्रॉब्लेम से २०१५-१६ में मुझे डान्स छोड़ना पडा था। फिर मेरे दोस्त राहुल और मैने घर मे हि डान्स क्लास खोली फिर हम दोनो डान्स प्रॅक्टिस करके बच्चो को सीखाते है। फिर हम दोनो ने सोचा अपना You tube channel खोलना चाहिए, फिर हमने २०१७ में You tube channel बनया जिसका नाम SR Dance Beat है, हम हमारे डान्स SR Dance Beat,You tube चॅनल पर व्हिडियो डालते है। You tube से हमे बहुत लोग जानते है और सपोर्ट करते है क और हमे You tube से बहुत सारा प्यार मिलता है। अब हम बहुत हि जल्दी Bollywood Industry में काम करने वाले है। अपने नाम के साथ अपने मम्मी पप्पा का नाम रोशन करेंगे।

ब्रेन स्ट्रोक के चलते राहुल रॉय के चेहरे का दाहिना हिस्सा प्रभावित

बहनोई ने कहा- उन्हें दुआओं की जरूरत

संवाददाता

मुंबई। 1990 की म्यूजिकल हिट 'आशिकी' के एक्टर राहुल रॉय की हालत में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। ब्रेन स्ट्रोक के चलते उन्हें 2 दिन पहले नानावटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। खबर के मुताबिक, राहुल के चेहरे का दाहिना हिस्सा प्रभावित हुआ है। साथ ही दाहिनी भुजा भी कमजोर हो गई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि ब्रेन स्ट्रोक की वजह से राहुल को अफेजिया नाम की बीमारी हो गई है। इसके चलते उन्हें बोलने में दिक्कत हो रही है। वे सही ढंग से सेंटेंस भी नहीं बना पा रहे हैं। मंगलवार को राहुल के बहनोई रोमीर सेन ने उनकी हेल्थ पर अपडेट दिया। उन्होंने कहा, मैं उनकी हेल्थ के बारे में डिटेल में नहीं बता सकता। लेकिन इतना कह सकता हूं कि वे धीरे-धीरे रिकवर हो रहे हैं। हम राहुल भैया के साथ हैं। डॉक्टर्स जो दवाइयां उन्हें दे रहे हैं, उनका सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। वे जल्द ही इस मुश्किल वक्त से बाहर आ जाएंगे। फिर भी उन्हें इस वक्त दुआओं की जरूरत है।

डॉक्टर्स सर्जरी करने पर कर रहे विचार

राहुल की हालत को देखते हुए डॉक्टर्स उनकी सर्जरी पर विचार कर रहे हैं। लेकिन उन्हें लगता है कि राहुल के लिए सर्जरी काफी घातक साबित हो सकती है। इसलिए अभी इस पर पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

कोरोना को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा बयान, देश में सभी को नहीं लगेगा टीका!

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने मंगलवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सरकार ने कभी पूरे देश को वैक्सीन लगाने की बात नहीं कही है। इसलिए यह जरूरी है कि ऐसे वैज्ञानिक चीजों के बारे में तथ्यों के आधार पर बात की जाए। वहीं आईसीएमआर के डीजी डॉ बलराम भार्गव ने भी इस मामले पर बात करते हुए कहा कि वैक्सीन कितने लोगों को दी जाएगी यह उत्पादन पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि अगर हम लोग कोरोना संक्रमण के चेन को तोड़ देते हैं तब हमलोगों को पूरी आबादी को टीकाकरण करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस दौरान स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि देश में 11 नवंबर को संक्रमण दर 7.15 फीसदी थी और 1 दिसंबर को यह घटकर 6.69 फीसदी हो गई है, जो कि देश के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह औसत दैनिक संक्रमण दर 3.72 फीसदी थी। दुनिया के सभी बड़े राष्ट्रों में, भारत में प्रति मिलियन मामले सबसे कम हैं। पिछले 7 दिनों के रुझान से पता चलता है कि यूरोपीय देशों में कोरोना के मामलों में वृद्धि

देखी जा रही है। वहीं सीरम संस्थान में वैक्सीन परीक्षण दौरान हुई गलती के बारे में पूछे जाने पर बताया कि इससे वैक्सीन की तय समय सीमा पर कोई असर नहीं होने वाला है। वैक्सीन सही समय पर देश में उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि भारत में ही नहीं बल्कि अन्य देशों में भी क्लिनिकल ट्रायल को लेकर एक निगरानी समिति बनाई गई है जो कि किसी भी तरह की प्रतिकूल घटना पर निगरानी रख रही है। उन्होंने कहा कि यह घटना सिर्फ भारत में ही नहीं अन्य देशों में भी होती है। उन्होंने कहा कि जब भी क्लिनिकल ट्रायल शुरू होती है तो पहले ही प्रतिकूल घटनाओं के मद्देनजर एक हस्ताक्षर ली जाती है और यह अन्य देशों में भी होती है। इससे पहले मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या पांच लाख से नीचे बनी हुई है और यह कुल संक्रमितों का महज 4.60 फीसदी है। मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि संक्रमण के नए मामलों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के कुल 31,118 नए मामले आए।

बुलढाण हलचल

बुलडाणा एलसीबी की कार्रवाई में पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

जलंब पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

बुलडाणा। एलसीबी ने जिले के नांदुरा-खामगांव राजमार्ग से एक आरोपी को जिंदा कारतूस, मैगजीन और एक पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है।ईससे पहले भी तलवार और पिस्तौल जैसे खतरनाक हथियार जब्त किए गए हैं।बुलदाना जिले में ऐसे घातक हथियार कहां से आए हैं? ऐसा प्रश्न अब उठाया जा रहा है। बुलडाणा जिले के जालंब थाना क्षेत्र में नांदुरा-खामगाँव हायवे मार्ग पर आरोपी अब्दुल मोबीन अब्दुल समद। नांदूरा जिला। बुलडाना और एक फरार आरोपी के साथ एक पिस्तौल 1 मैक्सीन, 1 जिंदा कारतूस, 1 खाली कारतूस, 3 मोबाइल और 1 जाइलो कार मिली, ईस तरह से कुल कीमत 5 लाख 61, हजार 100 रुपये की मुद्देमाल जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ जलंब पुलिस स्टेशन में शस्त्र अधिनियमानुसार केस दर्ज किया गया। ये कारवाई जिल्हा पोलीस अधीक्षक अरविंद चावरिया, अप्पर पोलीस अधीक्षक हेमराजसिंग राजपूत, अप्पर पोलीस अधीक्षक, बजरंग बनसोडे के मार्गदर्शन में स्थानीय गुन्हे शाखा पुलिस निरीक्षक बलिराम गीते ईन के आदेश पर पोउपनि निलेश शेळके, श्रीकांत जिंदमवार, गजानन आहेर, युवराज शिंदे, सतीश जाधव, सरिता वाकोडे, सचिन जाधव कार्रवाई की गई। हालाँकि, एलसीबी ने पिछले एक महीने में जिले में अवैध हथियार ले जाने वाले अपराधियों पर नकेल कसने में सफल रहा है, लेकिन घातक हथियार कहाँ से आते हैं? इसके मूल कारण का पता लगाने की आवश्यकता है।

ट्रॅव्हल्स मे लगी आग चालक की सतर्कता के कारण 35 यात्री बच गए

बुलडाणा। जिले के मेहकर के पास नागपुर-मुंबई राजमार्ग पर करीब रात करीब 2.30 नागपुर-पुणे वीआरएल ट्रॉव्हल एमएच 09एच 2820 का गिर टूट गया और चालक इकबाल खान पठान ने वाहन को सड़क के किनारे खड़ा कर दिया क्योंकि मेहकर के पास वाहन का गियर नहीं गिर रहा था। इस समय, चालक इकबाल ने देखा कि कार के इंजन में आग लग गई थी। उसने तुरंत सभी सोए हुए यात्रियों को जगाया और उन्हें बाहर निकाला देखते देखते ट्रॉव्हल बस मे में आग लग गई और बस जलकर राख हो गई। उन्होंने यात्रियों को सुरक्षित रूप से बस से बाहर निकाल कर जान बचाई। जिस्से ड्राइवर की प्रशंसा की जा रही है। दमकलकर्मियों को भी बुलाया गया। लेकिन तब तक बस जल कर राख हो गई थी।

केंद्र सरकार की कृषि बिल के खिलाफ स्वाभिमानी शेतकारी संगठन ने केंद्र सरकार की एक प्रतीकात्मक पुतले दहन किया

बुलडाणा। केंद्र सरकार ने किसान विरोधी कृषि बिल पेश करके किसानों के साथ बहुत अन्याय किया है। जैसा कि देश भर के किसान बिल को रद्द करने के विरोध में दिल्ली गए थे, केंद्र सरकार ने अमानवीय लाठी चार्च आंसू गैस का उपयोग करके आंदोलन को शांत करने की कोशिश की। इस आदोलन मे एक किसान की मौत हो गई। और कई अन्य घायल हो गए। स्वाभिमानी शेतकरी संगठन ने 1 दिसंबर को दिल्ली के आंदोलनकारी किसानों के समर्थन में केंद्र सरकार के खिलाफ बुलडाणा तालुका के वरवंड में केंद्र सरकार की प्रतिमात्मक पुतले का दहन किया गया। इस अवसर पर राणा चंदन दत्तात्रय जेऊघाले, शेख रफीक शेख करीम, आकाश माळोदे, समाधान धंदर ईन के साथ स्वाभिमानी' के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रामपुर हलचल

मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन को लेकर एस.आई महिला अंशू यादव व महिला कांस्टेबिल चमन देवी ने महिला मिशन शक्ति को लेकर अपना प्रचार प्रसार किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन को लेकर एस. आई महिला अंशू यादव व महिला कांस्टेबिल चमन देवी ने महिला मिशन शक्ति को लेकर अपना प्रचार प्रसार किया गया। कोतवाली परिसर में अलग से महिला हेल्प डेस्क की स्थापना के साथ साथ महिला पुलिस कार्मियों द्वारा महिलाओं की समस्याओं को देखते हुए सरकार द्वारा महिलाओं को चलाये गये अभियान के अन्तर्गत किसी भी महिला की गिरफ्तारी रात्री में नहीं की जा सकती हैं किसी भी महिला को बयान हेतु थाने पर नहीं बुलाया जा सकता है नाबालिग बच्चे बच्चियों के यौन शोषण के लिए अलग से कठोर कानून पाक्सो अधिनियम बनाया गया है महिला अभियुक्त के रूप में बरामद हुई

हो उसको थाने पर न रखते हुए उसके लिए वन स्टाप सेन्टर की जिला चिकित्सालय में व्यवस्था के साथ साथ इसी सेन्टर पर रखी जावेगी पाक्सो अधिनियम से सम्बंधित पीड़ित के सहायताथ रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष योजना के तहत आर्थिक सहायता का भी प्रावधान किया गया है सामूहिक बलात्कार, दहेज मृत्यू की दशा महिला सम्मान कोष के अन्तर्गत प्रावधान किया गया है अनूसूचित जाति जनजाति की महिलाओं के विरूद्ध होने वाले प्रत्येक अपराध में आर्थिक सहायता का प्रावधान उसी अधिनियम के अन्तर्गत किया गया है महिलाओं के लिए 1090 वूमैन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस आपात कालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन 102 स्वास्थ्य सेवा,108 एम्बुलेन्स सेवा एन्टी रोमियो स्कवाड जहां सादे वस्त्रों में महिलाओं एवं बच्चियों के लिये छेड़खानी दृष्टिगत संवेदन शील स्थानो पर कानूनी जानकारी व सुरक्षा के उपायों को लेकर जगह जगह महिला पुलिस कर्मियों द्वारा जागरूक कर सतर्कता बरनने को लेकर मिशन शक्ति के अन्तर्गत सेवा उपलब्ध सम्बंधी समझाया गया है।

समस्तीपुर हलचल

नावार्ड द्वारा संपोषीत सारी कृषक क्लब एवं ज्योती कृषक क्लब मथुरापूर के तत्वावधान में पशु कृषकों के लिए आम सभा आयोजित की गई

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। वारिसनगर प्रखंड क्षेत्र के सारी पंचायत के सारी गांव वार्ड संख्या 7 में मंगलवार को नावार्ड द्वारा संपोषीत सारी कृषक क्लब एवं ज्योती कृषक क्लब मथुरापूर के तत्वावधान में पशु कृषकों के लिए आम सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता माँ धनमा ज्योती जागृति सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुरेश कुमार ने की। इस अवसर पर पशु पालन विशेषज्ञ डॉ0 पवन कुमार ने पशुओं के अन्दर बिमारियों के बारे में विस्तार पुर्वक बताया गया। उन्होने कहा की इस समय पशुओं में विभिन्न प्रकार की बिमारी फैली हुई है जैसे छेड़ा बिमारी (दस्त), लीवर फ्लू आदि बिमारी से पशु ग्रसित है। उन्होने कहा की समय रहते पशुओं को बिमारियों से बचने के लिए अवश्य ईलाज कराएं। ईधर माँ धनमा ज्योती जागृति सेवा संस्थान के अध्य्क्ष सुरेश कुमार ने पशु सम्बंधित विस्तार पुर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर वारिसनगर ब्लॉक के पशु चिकित्सक डॉ0 पवन कुमार के द्वारा दर्जनो पशुओं के लिए दवा वितरण की गई। जिसमें पशु कृषकों में रीता देवी, कौशल्या देवी,आशा देवी, देव लक्ष्मी देवी,संगीता देवी, प्रमिला देवी, रेखा देवी, कृष्णा देवी आदि का नाम शामिल है। मौके पर डॉ0 पवन कुमार के अलावा समन्वयक कृष्णा देवी, सहायक समन्वयक कमल किशोर राय, रामअनुप महतो, औसेफा निदेशक देव कुमार, सौरभ कुमार, गीता देवी आदि मौजुद थे।

नबार्ड की प्रशिक्षण संस्थान बर्ड कोलकाता द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

समस्तीपुर/पुसा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के सभागार में जिले के 17 किसान उत्पादक संगठन के 25 डायरेक्टर तथा सीईओ हेतु नबार्ड की प्रशिक्षण संस्थान बर्ड कोलकाता द्वारा तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन नाबार्ड बिहार क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. सुनील कुमार तथा बर्ड कोलकाता के संयुक्त निदेशक ने संयुक्त रूप से किया। प्रतिभागियों को उप महाप्रबंधक नवीन कुमार राय ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कृषि कानूनों तथा किसान उत्पादक संगठन के कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। एफपीओ के सदस्यों को कृषि विश्वविद्यालय के वरीय वैज्ञानिक डॉ रंजेश झा एवं केवीके बिरौली के वरीय वैज्ञानिक डॉ. आर.के. तिवारी द्वारा, उनके माध्यम से चलाए जा रहे हैं किसानों हेतु कार्यक्रमों का विस्तार पूर्वक जानकारी उपलब्ध कराया। डीडीएम नाबार्ड जयंत विष्णु ने बताया कि इस प्रशिक्षण में किसानों को बिजनेस प्लान तथा लेखांकन की जानकारी तीन दिसंबर तक दी जाएगी। मौके पर सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि महेश कुमार, महेंद्र झा, तौफीक आलम मौजूद थे।

राजस्थान हलचल

शादी समारोह के दौरान, चोरी करने आए चोर ने किया धारदार हथियार से पिता-पुत्र पर हमला

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

राजस्थान। अलवर गेट थाना क्षेत्र के गुर्जर देते इलाके में देर रात शादी समारोह के बाद, नशे में धुत चोरी की मनसा से आया चोर, जिसका नाम गौरी शंकर है जो शादी के टेंट से दरी चुरा कर ले जा रहा था जैसे इसकी भनक परिवार के पिता-पुत्र को पड़ी तो उन्होंने चोर को दरी चुराते हुए रंगे हाथों पकड़ा अपने आप को छुड़ाने के चक्कर में चोर ने धारदार कैंची से पुत्र जिसका नाम अंकित था, उस पर हमला कर दिया जिससे कैंची अंकित के गर्दन में लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया बीच बचाव में आए पिता पुखराज पर भी आरोपी ने कैची से वार कर घायल कर दिया और फरार हो गया घायल अवस्था मे अस्पताल ले जाते वक्त पुत्र की रास्ते में ही मृत्यु हो गई और पिता को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची अलवर गेट की थाना इंचार्ज सुनीता गुर्जर ने संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सावधान! शुद्ध पानी बना दुनिया के लिए एक सपना

न्यूयार्क की स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकत्ताओं ने पिछले दिनों एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि दिल्ली, चेन्नई, मुम्बई समेत दुनिया के 19 शहरों से बोतलबंद पानी में प्लास्टिक पार्ट्स पाए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत, चीन, अमरीका, ब्राजील, इंडोनेशिया, केन्या, लेबनान, मैक्सिको और थाईलैंड के बोतलबंद पानी के नमूनों का विश्लेषण किया गया।

यह तो बात बोतलबंद पानी की है, अगर यू.एस. की डाटा पत्रकारिता आऊटलैट ओरब द्वारा गठित कमीशन के अध्ययन पर नजर डाली जाए तो विश्व में कहीं भी पानी ले लें, उसमें प्लास्टिक फाइबर्स पाए जाते हैं। चाहे यह बोतलबंद पानी हो या फिर आम नलों से लिया गया जल। पत्रिका ने यह बात 5 महाद्वीपों में नलों से लिए पानी के नमूनों के अध्ययन के आधार पर कही है। रिपोर्ट के मुताबिक 83 प्रतिशत नलों के पानी में प्लास्टिक फाइबर्स है। यही नहीं, अमरीका में हुए एक अध्ययन के मुताबिक 93 प्रतिशत लोगों के खून में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। ऐसा पेशाब में थैलेट्स रसायन के पाए जाने से प्रतीत होता है। वहीं डी.एम.सी. के डॉ. रामेश थिंद जोकि पंजाब सरकार के नोडल अफसर भी हैं, की मानें तो पंजाब में 95 प्रतिशत पानी पीने लायक ही नहीं है।

वर्ष 2015 में भाभा अटॉमिक रिसर्च सैंटर ने बोतलबंद पानी पर एक रिसर्च की थी। इसमें टैस्ट किए गए पानी में 27 प्रतिशत ब्रोमेट नामक रसायन की मात्रा तय मानकों से ज्यादा पाई गई थी। वर्ल्ड हैल्थ आगेर्नाइजेशन के मुताबिक पानी में ब्रोमेट की अधिक मात्रा जहर की तरह काम करती है। इसके अलावा बोतलबंद पानी में क्लोराइट और क्लोरेट नामक नुक्सानदायक कैमिकल की मौजूदगी भी पाई गई थी। चिंता की बात यह है कि अभी तक भारत में ऐसा कोई कानून या सिस्टम नहीं है जो बोतलबंद पानी में नुक्सानदायक कैमिकल्स की अधिकतम मात्रा तय कर सके। कुल मिलाकर कहा जाए तो देश में 100 प्रतिशत शुद्ध पानी की खोज हमारे सिस्टम के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

लखनऊ स्थित भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान के शोधकत्ताओं ने प्लास्टिक कचरे से चुंबकीय रूप से संवेदनशील ऐसी अवशोषक सामग्री तैयार की है जिसका उपयोग पानी से सीफैलेक्सीन नामक जैव प्रतिरोधक से होने वाले प्रदूषण को हटाने में हो सकता है। वैज्ञानिकों ने पॉलिएथलीन टेरेफ्थैलेट (पी.ई.टी.) के कचरे को ऐसी उपयोगी सामग्री में बदलने की रणनीति तैयार की है जो पानी में जैव प्रतिरोधक तत्वों के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो सकती है। इस तकनीक से प्लास्टिक अपशिष्ट का निपटारा होने के साथ-साथ जल प्रदूषण को भी दूर किया जा सकेगा।

अध्ययनकत्ताओं में शामिल डा. प्रेमांजलि राय ने इंडिया साइंस वायर को बताया कि आसपास के क्षेत्रों से पी.ई.टी. रिफ्यूज एकत्रित कर नियंत्रित परिस्थितियों में उन्हें कार्बनीकरण एवं चुंबकीय रूपांतरण के जरिए चुंबकीय रूप से संवेदनशील कार्बन नैनो-मैटीरियल में परिवर्तित किया गया है। डा. राय के अनुसार वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए कम लागत वाले इस नए चुंबकीय नैनो-मैटीरियल में प्रदूषित पानी से सीफैलेक्सीन को सोखने की बेहतर क्षमता है। अध्ययनकत्ताओं ने पाया है कि प्रति लीटर पानी में इस अवशोषक की 0.4 ग्राम मात्रा का उपयोग करने से सीफैलेक्सीन की आधे से अधिक सांद्रता को कम कर सकते हैं।

वहीं चीन की समाचार एजैंसी शिन्हुआ के मुताबिक एडिलेड विश्वविद्यालय और दक्षिण आस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य एवं मैडीकल अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने 1500 से ज्यादा पुरुषों में थैलेट्स नामक रसायन की मौजूदगी की संभावना की जांच की है। यह रसायन दिल की बीमारी और उच्च रक्तचाप व टाइप-2 मधुमेह से जुड़ा है। एडिलेड विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफैसर जुमिन शी का कहना है कि परीक्षण के दौरान थैलेट्स की पहचान लोगों के पेशाब के नमूने से होती है। ऐसा प्लास्टिक के बर्तनों या बोतलों में रखे खाद्य पदार्थ को खाने से होता है। शी के मुताबिक ज्यादा थैलेट्स स्तर वाले पुरुषों में दिल संबंधी बीमारियां, टाइप-2 मधुमेह व रक्त दबाव को बढ़ा हुआ पाया गया है।

नवरात्रि व्रत में गर्भवती महिलाएं इस तरह रखें अपना ख्याल

नवरात्रि में कुछ लोग पूरे नौ दिनों तक देवी मां के नवरात्रे व्रत रखते हैं। वैसे तो व्रत रखने में कोई बुराई नहीं लेकिन बात जब प्रैग्नेंट महिला की हो तो उन्हें कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए। कुछ गर्भवती महिलाएं ज्यादा समय भूखी रहती हैं लेकिन इसका बुरा असर आपकी सेहत के साथ-साथ बच्चे पर भी पड़ सकता हैं। इसलिए गर्भवती महिलाओं को व्रत रखने के बाद अपने खान-पीन का ध्यान अच्छी तरह से रखना चाहिए। आइए जानते हैं कि गर्भावस्था के दौरान व्रत रख कर आपको किस तरह अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए।

1. खून की कमी

व्रत रखने से पहले डॉक्टर से अपनी सेहत की पूरी जानकारी लें। अगर आपको खून की कमी है तो ज्यादा से ज्यादा आयरन युक्त फूड का सेवन करें। व्रत के दौरान आयरन की कमी को पूरा करने के लिए आप अनार, पाइनएप्पल, अंजीर, तरबूज और ड्राई फ्रूट्स का सेवन करें।

2. सेंधा नमक

किसी भी फल का सेवन करते समय उसपर सेंधा डाल लें। व्रत के दौरान सेंधा नमक का सेवन आपके शरीर में कमजोरी नहीं आने देगा।

3. समय पर भोजन करना

नवरात्रि के व्रत में आप पूरे दिन में 2 समय भोजन कर सकते हैं। इसके अलावा आप पूरा दिन फ्रूट्स का सेवन भी कर सकते हैं। इसलिए ज्यादा समय भूखें न रहे और समय-समय पर भोजन करें। इसके अलावा विटामिन से भरपूर आलू, फल और दूध का सेवन भरपूर मात्रा में करें।

4. चाय का सेवन

कुछ महिलाएं व्रत रखने के बाद बार-बार चाय का सेवन करती हैं। मगर इसका अधिक सेवन आपको नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी बजाए आप नारियल पानी या फलों का जूस पीएं। इसके अलावा अधिक से अधिक पानी पीएं।

5. कैल्शियम की जरूरत

व्रत के दौरान कैल्शियम की जरूरत को पूरा करने के लिए दिन में 2-3 बार दूध जरूर पीएं। यह आपके शरीर में कैल्शियम की जरूरत को पूरा करने के साथ-साथ अनर्जी बनाएं रखता है।

6. उबला हुआ खाना

व्रत रखने का एक फायदा यह है कि इस दौरान आप उबला और सात्विक भोजन करते हैं। इस तरह का भोजन मां और शिशु दोनों की सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

7. दवाईयां समय पर लेना

व्रत के दौरान अपनी दवाईयों को समय पर लेना न भूलें। दवाईयां समय पर लेने के साथ-साथ ज्यादा से ज्यादा आराम करें और भरपूर नींद भी जरूर लें।

न कोई खर्चा न कोई साइड इफैक्ट, Ic Cube से लें ब्यूटी के कई फायदे

गर्मी के मौसम में ठंड़ी-ठंड़ी बर्फ खाने का मन करता है। यह गर्मी से राहत तो दिलाती ही है साथ ही इससे ब्यूटी से जुड़ी भी बहुत से फायदे मिलते हैं। घर से बाहर निकलते ही तपती गर्मी स्किन को झुलसा देती है। जिससे त्वचा संबंधित बहुत-सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सनबर्न,पिपंल,लालगी,सूजन आदि को दूर करने के लिए सबसे आसान और आरामदायक तरीका है बर्फ का इस्तेमाल करना। आप इसके लिए दूध और खीरे का रस बर्फ की तरह जमा कर फेस मसाज करने से चेहरा खिल जाता है। पफ्फी आइज से छुटकारा पाने के लिए ग्रीन टी के बर्फ का टुकड़ा फ्रिजर में जमा कर सनबर्न से राहत मिलती है।

1. मुंहासे और सूजन

सबसे पहले मुंह को धोकर सूखा लें। इसके बाद बर्फ के टुकड़े को प्लास्टिक के बैग लपेट लें। इससे मुंहासों पर एक मिनट के लिए मसाज करें। फिर 5 मिनट के बाद फिर मसाज करें। इसके बाद चेहरे को एसेंशियल ऑयल की एक बूंद के साथ मसाज करें।

2. ब्लड सकुर्लेशन करें बेहतर

मेकअप करने से पहले बर्फ के एक टुकड़े के साथ मसाज करें। इससे मेकअप ज्यादा देक तक टिका रहेगा। बर्फ की मसाज करने से चेहरे का ब्लड सकुर्लेशन बेहतर हो जाता है। इससे लंबे समय तक जवां बने रहते हैं।

3. सनबर्न से छुटकारा

सनबर्न से स्किन पूरी तरह से खराब हो जाती है। इससे बहुत दर्द भी होता है। कैमिकल युक्त प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करने से बेहतर है कि बर्फ की इस्तेमाल किया जाए। आप बर्फ की जगह पर एलोवीरा को फ्रिजर में जमा कर भी चेहरे की मसाज कर सकते हैं।

4. पफ्फी आइज से राहत

लगातार कंप्यूटर या फिर मोबाइल का इस्तेमाल करने से आंखों सूज जाती हैं। इससे राहत पाने के लिए पानी में ग्रीन टी उबाल कर इसे बर्फ की तरह जमा लें। इससे आंखों के आसपास मसाज करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

केजीएफ डायरेक्टर प्रशांत नील की फिल्म में नजर आएंगे प्रभास?

सुपरस्टार प्रभास इन दिनों सुर्खियों में हैं। प्रभास की झोली में 'आदिपुरुष', 'राधे श्याम' और डायरेक्टर नाग अश्विन की साइंस फिक्शन फिल्म जैसी कई फिल्में हैं। अब उनके हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है। खबरों की मानें तो बाहुबली स्टार जल्द केजीएफ के निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत नील ने हाल ही में हैदराबाद में प्रभास से मुलाकात की और उन्हें एक फिल्म की कहानी सुनाई जो एक्टर को काफी पसंद आई है। प्रभास बस फिल्म साइन करने ही वाले हैं और इसको लेकर आधिकारिक घोषणा जल्द हो सकती है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो प्रभास के साथ प्रशांत नील की फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में या फिर अगले साल के शुरूआत में शुरू हो सकती है। फिलहाल प्रशांत अपनी अपकमिंग फिल्म 'केजीएफः चैप्टर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। खबर ये भी है कि प्रशांत नील ने जुनियर एनटीआर को भी एक फिल्म के लिए साइन किया है।

प्रेग्नेंसी में शूटिंग के सवालों पर बोलीं करीना

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस करीना कपूर दूसरी बार मां बनने जा रही हैं। इसी साल अगस्त में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर बताने के बाद करीना कपूर तुरंत अपनी आने वाली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग के लिए दिल्ली रवाना हो गई थीं। इसके बाद कई लोगों ने सवाल भी उठाए थे कि आखिर प्रेग्नेंसी में करीना कपूर को काम करने की क्या जरूरत पड़ गई जबकि आसी कंडिशन में आराम करना चाहिए। इसके बारे में करीना कपूर ने अपना जवाब दिया है। जिस समय करीना 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग कर रही थीं उस समय वह 5 महीने की प्रेग्नेंट थीं। इस बार में 'द क्विंट' से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह घर पर नहीं बैठ सकती हैं क्योंकि उनका परिवार भी उन्हें यह कहकर चिढ़ाता है कि इसकी पैंट्स में चीटिंयां हैं जिसके कारण यह एक जगह बैठ नहीं सकती है। फिल्म की शूटिंग के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा, वह इस समय पर फिल्म की शूटिंग नहीं छोड़ सकती थीं क्योंकि फिल्म की शूटिंग अप्रैल में ही पूरी हो जानी थी लेकिन कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन में इसे रोक दिया गया है। करीना ने इस बारे में आगे बात करते हुए कहा कि 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद उन्होंने कोई प्रोजेक्ट साइन भी नहीं किया है बल्कि उन्होंने शूटिंग पूरी करके अपना कमिटमेंट निभाया है। प्रेग्नेंसी में काम किए जाने पर बोलते हुए करीना ने कहा कि प्रेग्नेंसी कोई बीमारी नहीं है जो वह घर बैठ जाएं। उन्होंने आगे कहा कि यह बात सही है कि इसमें कुछ परेशानियां भी होती हैं लेकिन आपको अपने आपको बचाए रखना चाहिए। केवल प्रेग्नेंसी के कारण काम छोड़ देना सही डिसीजन नहीं है, साथ ही मुझे भी काम करने में मजा आता है।

...जैकलीन फर्नांडिस की हुई 'बच्चन पांडे' में एंट्री

जैकलीन ने इस बारे में कहा- जब मैं फिल्म इंडस्ट्री में नई थी, तब मैंने नाडियाडवाला के साथ 'हाउसफुल' फिल्म में 'धन्नो' गाना किया था। उसके बाद हमारी दोस्ती मजबूत होती चली गई। मैं उनके साथ एक बार फिर से काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बच्चन पांडे मेरी साजिद नाडियाडवाला के साथ 8वीं फिल्म है। अक्षय कुमार के साथ एक और फिल्म करने के लिए मैं बेताब हूं। उनके साथ काम करना बेहद मजेदार होता है और एक बार फिर हम जम कर धमाल मचाने वाले हैं। अपने शूटिंग शेड्यूल के बारे में जैकलीन ने कहा- 'मैं जनवरी में शूट आरंभ करूंगी। अभी अपने किरदार के बारे में नहीं बता सकती हूं, लेकिन यह मेरे अब तक निभाए गए किरदारों से बिलकुल अलग है। इस फिल्म की शूटिंग करना मेरे लिए एक नया और अनोखा अनुभव होगा क्योंकि हमें अब न्यू नॉर्मल के साथ काम करना होगा। महामारी फैली हुई है, लेकिन जैसा कि हम कहते हैं 'शो मस्ट गो ऑन'। हम कोविड-19 के लिए बनाई गाइडलाइन और सावधानी के साथ शूटिंग करने वाले हैं।